



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 9 जून, 1998/19 ज्येष्ठ, 1920

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

विधायी एवं राजभाषा खण्ड

अधिगूच्छा

शिमला-२, 9 जून, 1998

संख्या एल० एल० आर० (राजभाषा) बी० (16)-१०/१९९८—“दि हिमाचल प्रदेश पैसेजर एण्ड गड्ज टैक्सेशन (अमैन्डमैन्ट) एक्ट, 1972 (1972 का 4)“ के राजभाषा (हिन्दी) अनुवाद को हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल के तारीख 2 जून, 1998 के प्राधिकार के अधीन एतद्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया जाता

है और यह हिमाचल प्रदेश राजभाषा (अनुपुरक उपबन्ध) अधिनियम, 1981 (1981 का 12) की धारा 3 के अधीन उक्त अधिनियम का राजभाषा (हिन्दी) में प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
सचिव (विधि),
हिमाचल प्रदेश सरकार।

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन)
अधिनियम, 1972

(1972 का 4)

(20 अप्रैल, 1972 को राज्यपाल द्वारा अनुमत)

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) का और संशोधन करने के लिए अधिनियम।

भारत गणराज्य के तेईसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में वह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) अधिनियम, 1972 है। और प्रारम्भ।

(2) वह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (जिसे इसके पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) में “किसी एक मामले में न्यूनतम दो पैसे के अधीन कर की रकम की संगणना निकटतम पैसा तक करते हुए” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रख जाएंगे, अर्थात् :—

धारा 3 का संशोधन।

“किसी एक मामले में न्यूनतम पांच पैसे के अधीन रहते हुए, दो पैसे या उससे कम को छोड़ कर और दो पैसे से अधिक की गणना पांच पैसे के रूप में करते हुए करकी संगणना पांच पैसे के निकटतम गुणक तक की जाएगी”।

3. मूल अधिनियम की धारा 3 के पश्चात्, निम्नलिखित धारा अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

धारा 3-क का अन्तःस्थापन।

“3-क. अतिरिक्त कर का उद्ग्रहण.—(1) इस अधिनियम में किसी बात के होते हुए भी, मोटर गोडियों द्वारा वहन किए गए सभी यात्रियों के बारे में सभी किरायों पर एक रुपए या उससे अधिक मूल्य के किराए के मूल्य के पांच प्रतिशत की दर से अतिरिक्त कर उद्गृहीत, प्रभारित और राज्य सरकार को संदर्त किया जाएगा।

(2) इस अधिनियम के उपबन्ध यथा आवश्यक परिवर्तन सहित, उप-धारा (1) के अधीन प्रभार्य अतिरिक्त कर के सम्बन्ध में भी लागू होंगे।

(3) जहां राज्य सरकार की राय में लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है तो, वह राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, उप-धारा (1) के अधीन, या तो सम्पूर्ण या उसके किसी भाग को और आत्यंतिक रूप से या ऐसी

शर्तों के अध्यधीन, जैसी अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाएं, अतिरिक्त कर संक्षेत्र करने के दायित्व से छूट दे सकेंगी।”

निरसन और व्यावृत्तियां। 4. (1) हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) अध्यादेश, 1971 एतद्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उक्त अध्यादेश के अधीन की गई कोई बात या कार्रवाई इस अधिनियम के अधीन की गई समझी जाएगी, मानो यह अधिनियम प्रथम दिसम्बर, 1971 को प्रारम्भ हो गया था।